भजन

मेरे साहेब मेरे सतगुरू प्यारे
मेरी रूह की नैनों के हैं तारे

1- मेरे सतगुरू की हर बात निराली
मेहरों भरी नजरें मेरी रूह पर डाली
सतगुरू चरणों में हक खिलवत पा ली-2

2- मेरे सतगुरू जी श्री श्यामा श्याम जी
चरण धरूं दिल में पलकें बिछाऊं
इश्क पिया का,इन्हीं चरणों से पाऊं-2

3- मेरे सतगुरू की है प्रीत न्यारी
निभाई उसने ही अर्शो की यारी
निसवत से मिलती यह प्रीत रूहानी-2

4- मेरे सतगुरू जी हैं इश्के सुराही
इश्के रूह प्याली में मय है पिया की
पीवे वो ही जो पिया की प्यारी-2

5- मेरे सतगुरू के नैना मतवाले
जब नैनों से मेरी ओर निहारें
नैनों से ही रूह पिया सुख पावे-2